**शैक्षिक सत्र–2026–27**
**संस्कृत**
**कक्षा–11**

**पूर्णांक–100**

**सामान्य निर्देश**–संस्कृत विषय में 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। प्रश्न–पत्र के प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंकों के अन्तर्गत दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश कर कई प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र में प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक ही उत्तर के आकार की संक्षिप्तता या दीर्घता का द्योतक होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत समाविष्ट पाठ्यक्रम का अंक विभाजन निम्नवत् होगाः–

**खण्ड–क (गद्य)** 20 अंक

**चन्द्रापीडकथा (पूर्वार्द्ध)– आसीत् पुरा शूद्रको नाम राजा ........... सर्वरामणीयकानाम् एकनिवासभूताम्, कादम्बरीं ददर्श।**

1. गद्यांश के आधार पर प्रश्नोत्तर। 10 अंक
2. कथात्मक पात्रों का चरित्र चित्रण (हिन्दी में, अधिकतम 100 शब्द)। 4 अंक
3. रचनाकार का जीवन परिचय एवं गद्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)। 4 अंक
4. सन्दर्भित पुस्तक से सम्बन्धित बहुविकल्पीय प्रश्न। 2X1=2 अंक

**खण्ड–ख (पद्य)**

**रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)– श्लोक संख्या 01 से 40 तक।** 20 अंक

1. किसी श्लोक की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या। 2+5=7
2. किसी श्लोक की सन्दर्भसहित संस्कृत में व्याख्या। 2+5=7
3. कविपरिचय एवं काव्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द) 4
4. काव्यगत तथ्यों एवं भावों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न। 2X1=2

**खण्ड–ग (नाटक)** 20 अंक

**अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः) प्रारम्भ से श्लोक संख्या 10 तक।**

1. पाठगत नाटक के किसी गद्यांश अथवा पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या। 2+5=7
2. पाठगत नाटक के अंशों से सूक्तिपरक पंक्ति की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या। 2+5=7
3. कालिदास का जीवनपरिचय एवं नाट्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)। 4
4. सन्दर्भित नाटक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न। 2X1=2

**खण्ड–घ (पत्र लेखन)**

मित्र या सम्बन्धियों को पत्र, प्रार्थनापत्र आदि। 6

**खण्ड–ङ (अलंकार)**

निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में–अनुप्रास एवं यमक। 4

**खण्ड–च (व्याकरण)**

1. अनुवाद – हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 8
2. कारक तथा विभक्ति। 4
3. समास। 4
4. सन्धि अथवा सन्धि–विच्छेद, नामोल्लेख, नियम। 4
5. शब्दरूप। 4
6. धातुरूप। 4
7. प्रत्यय। 2

**निर्धारित पुस्तकें एवं पाठ्यवस्तु**

**खण्ड–क (गद्य)**

महाकविबाणभट्टप्रणीतम् – कादम्बरीसारभूता 'चन्द्रापीडकथा' का पूर्वार्द्ध भाग– ''आसीत् पुरा शूद्रको नाम राजा ........................ सर्वरामणीयकानाम् एकनिवासभूताम्, कादम्बरीं ददर्श।''

**खण्ड–ख (पद्य)**

महाकविकालिदासप्रणीतम्–रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग)
श्लोक संख्या 01से 40 तक।

**खण्ड–ग (नाटक)**

महाकविकालिदासप्रणीतम्–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)
प्रारम्भ से लेकर पद्य संख्या 10 तक।

**खण्ड–घ (पत्रलेखन)**

मित्र या सम्बन्धियों को पत्र, प्रार्थनापत्र आदि।

खण्ड–ङ (अलंकार)

निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में–अनुप्रास एवं यमक।

खण्ड–च (व्याकरण)

**1. अनुवाद –**

हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

**2. कारक तथा विभक्ति –**

निम्नलिखित सूत्रों तथा वार्तिकों के आधार पर कारकों तथा विभक्तियों का ज्ञान –

(क) **प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक)**
- (1) स्वतंत्रः कर्त्ता।
- (2) प्रातिपदिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।

(ख) **द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)**
- (1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म।
- (2) कर्मणि द्वितीया।
- (3) अकथितं च।
- (4) अधिशीङ्स्थासां कर्म।
- (5) अभितःपरितःसमयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि। (वा0)
- (6) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे।

(ग) **तृतीया विभक्ति (करण कारक)**
- (1) साधकतमं करणम्।
- (2) कर्तृकरणयोस्तृतीया।
- (3) सहयुक्तेऽप्रधाने।
- (4) पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्।
- (5) येनाङ्गविकारः।

**3. समास –**

निम्नलिखित समासों का ज्ञान, परिभाषा तथा संस्कृत में विग्रहसहित उदाहरण– तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि।

**4. सन्धि** – सन्धि, सन्धिविच्छेद, नामोल्लेख तथा नियम।

निम्नलिखित सूत्रों के अनुसार संधियों का उदाहरण सहित ज्ञान।

**स्वरसन्धि–** (1) इको यणचि, (2) एचोऽयवायावः, (3) आद्गुणः, (4) वृद्धिरेचि, (5) अकः सवर्णे दीर्घः, (6) एङि पररूपम् (7) एङः पदान्तादति।

**5. शब्दरूप–** निम्नलिखित संज्ञा शब्दों का रूप –

(अ) पुल्लिंग – राम, हरि, गुरु, पितृ, भगवत्, करिन्, राजन्, पति, सखि, विद्वस्, चन्द्रमस् ।

(आ) स्त्रीलिंग – रमा, मति, नदी, धेनु, वधू, वाच्, सरित्, श्री, स्त्री, अप्।

**6. धातुरूप**–दसों लकारों का सामान्य ज्ञान तथा निम्नलिखित धातुओं के लट्, लङ्, लोट्, विधिलिंग एवं लृट् में रूप।

**परस्मैपद–** भू, पठ्, पा, गम्, दृश्, स्था, नी, अस्, नश्, आप्, शक्, इष्, प्रच्छ्, कृष् के रूप।

**7. प्रत्यय–** क्तिन्, क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्, तुमुन्, यत्।

**टिप्पणी**–संस्कृत देवनागरी लिपि में लिखी जायेगी।

**उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–**

| | | |
|---|---|---|
| (i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) | जुलाई द्वितीय सप्ताह | 20 अंक |
| | (10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट) | |
| (ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) | अगस्त अन्तिम सप्ताह | 20 अंक |
| (iii) तृतीय यूनिट टेस्ट ( MCQ आधारित) | नवम्बर अन्तिम सप्ताह | 20 अंक |
| (iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) | दिसम्बर अन्तिम सप्ताह | 20 अंक |

**नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।**